



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Y
28/8/1986

सं. 184]
No. 184]नई दिल्ली, बहस्पतिवार, अगस्त 28, 1986/भाद्र 6, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 28, 1986/BHADRA 6, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भलग संकलन के क्षण में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

बारिष्य मंत्रालय

प्रधान व्यापार नियंत्रण

मार्केटिंग सूचना सं. 112 घाइ. टी. सी. (पी. ए.) /83—88

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1986

विषय— प्रवृत्त 1985—मार्च 1988 के लिए आयात-नियात नीति

फा. नं. 6/90/86—ई. पी. सी.— व गिरज मंत्रालय की मार्केटिंग सूचना संख्या:— भाइ.टी.सी. (पी.ए.)/85—88, विवाह 12 फरवरी, 1985
के द्वारा दी गयी आयात-नियात नीति की ओर आयात विवाह जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित मंजूरीदात सीखे लिखित उपयुक्त स्थानों पर लिख जाएँगे:—

क्रम सं.	आयात नियात नीति 1985—88 (खण्ड-1) की पृष्ठ सं.	संख्या	संशोधन
1	2	3	4
1	293	वैदा-32 परिवर्तन—19	इस ऐरे के बाव निम्नलिखित तो जोड़ा जाएगा:— “अग्रिम लाईसेंस के अधीन सावे और जटिल स्वर्ण आभूषणों का निर्धारण।
			33. निम्नलिखित नियात सावे और जटिल स्वर्ण आभूषणों के निर्धारण के लिए अग्रिम लाईसेंसों के लिए पात्र होंगे:—
			(1) स्वर्ण आभूषण का एक पंजीकृत नियात जिसका पिछले दो विस्तीर्ण वर्षों के दीराम स्वर्ण आभूषणों का स्पूततम जीवित वाष्पिक नियात नियावत 2 करोड़ रुपए है।

(2) इन और आधारण (स्वर्ण प्राप्तियों से आजाएगा) का एक पंजीकृत नियांत्रिक जिम्मेदार विभिन्न सेवाओं के द्वारा नियंत्रित निष्पादन पांच करोड़ गपए हैं। वे निजी/मार्केजनियों जो पहले स्वामित्र/भागीदारी की काम्पनियों थीं परन्तु प्रतिम लाईसेंस के लिए आवेदन पत्र की तिथि को निजी/मार्केजनियों जैसे गई थी ऐसे लाईसेंसों के लिए पाप होंगे।

34. 18 फैट या इससे कम के स्वर्ण और कार्बनिट्स या माउंटिंग आदि का आयात सारे तथा जहित सोने के आभूषणों के नियंत्रित के लिए अनुमित किया जाएगा और इसके विनिर्माण में प्रयुक्त परिकृत कटे हुए और पालिंग किए हुए हीरों, मणियों और इसके साथ-साथ यदि कोई बहुमूल्य भालूएं हों तो उनके आयात पर योनों के लिए मालग-मलग 15 प्रतिशत का घूनतम मूल्य संयोजन प्राप्त कर लिया गया हो। जबकि सोने आदि के आयात पर अधिम लाईसेंसग समिति द्वारा नियंत्रित आमार नियांत्रित किया जाएगा सीमानुक्त यह सुनिक्षय करता है कि नियंत्रित आभूषणों के विनिर्माण में प्रयुक्त परिकृत कटे हुए और पालिंग किए हुए या मणियों, योती और प्रयुक्त निवेशों पर 15 प्रतिशत घूनतम मूल्य संयोजन भी प्राप्त कर लिया गया है। इस स्फीट के अधीन स्वर्ण आभूषणों के लिए लागू नियंत्रण/उत्पादन मानवण परिशिष्ट 19 के घन्तुबंध-5 में दिए गए हैं।

35. नियंत्रित आभूषणों के नियन्त्रित में प्रयुक्त परिकृत और पालिंग किए हुए हीरों और अन्य मणियों के भूम्य पर प्रतिकृति के लिए परिशिष्ट-17 में नियांत्रित वर पर प्रतिशूलि के द्वक्षार होंगे।

36. सारे/जहित स्वर्ण आभूषणों के लिए मर्दों का आयात आगे और नियन्त्रित पतों के प्रध्याधीन होगा :

(1) ऐसे अधिम लाईसेंसों के आवेदनों पर मुख्य नियंत्रण, आयात-नियंत्रित के कावलिय नई विभागी में ही अधिम लाईसेंस समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

(2) इन नियंत्रितों के मर्दे अधिम लाईसेंसों के आवेदन केवल विशिष्ट नियंत्रित योद्धों के मर्दे ही होंगे।

(3) "कार्बनिट्स" और "माउंटिंग" आदि के आयात और नियंत्रित को मन्त्रमंत्री वाल्विक (नेट से मेट) के आमार पर वी जाएगा और परिशिष्ट 19 के घन्तुबंध-5 में घन्तुमेय छीजग का नियांत्रित नियांत्रित किए गए कार्बनिट्स और माउंटिंग आदि के भार पर किया जाएगा।

(4) ऐसे लाईसेंसों के मर्दे नियंत्रित आमार की प्रतिशूलि आयात के प्रथम प्रेषित माल की निकानी को तारोब से चार माह की अवधि के भीतर या प्रथम प्रेषित माल के आयात की तारीख के बाद 30 दिन, इनमें जो भी पहसु हो, भी जानी होंगी। भाग्यानन्द: इस अवधि में आगे नियंत्रित आमार के लिए और कोई अवधि नहीं बढ़ाई जाएगी। तथापि, लघुकानी परिमितियों में प्रतिवादात्मक मामलों में युवत नियंत्रण, आयात-नियंत्रित के कायानिय, नई विभागी में प्रतिम लाईसेंसग समिति प्रत्येक ऐसे मामलों में नियंत्रित आमार अवधि बढ़ाने पर उनके गृण-दोष के आमार पर विचार कर सकती है।

1	2	3	4
		(5) इन मर्दों का नियंत्रित केवल आर्टिकॉलीय सम्बन्ध अथवा विशेषज्ञी पर नकद आधार के मद्देन मनुष्यित किया जा सकता है। नियंत्रित आभार से भूक्ति लिंगारिन नियंत्रित प्रभार का पूर्वी तथा विदेशी मुद्दा की प्राप्ति के प्रमाण दिए जाने के पश्चात् ही विचार किया जाएगा।	
		(6) ऐसे लाईसेंसों के मद्देन अनुमेय आयात और इन मर्दों में से प्रनाए गए मास का नियंत्रित केवल सीमांशुला अधिकृतता की गते "च" में या उल्लिखित केवल विशिष्टिकृत अंतर्राष्ट्रीय कार्यालयों के माध्यम से ही प्रमाणीत किया जा सकता है।	
		(7) ऐसे मामलों में परिशिष्ट 22 के अनुबन्ध 3 के पंक्ति 15 और 16 के प्रावधानों यथोचित परिवर्ती के साथ लात् होंगे।	
		(8) इन मर्दों का नियंत्रित आयात से पहले प्रमाणों महीने हो सकता। इस प्रकार उपर्युक्त 24(4) और पंक्ति 26 के प्रावधान लागू नहीं होंगे।	

2. 305

परिशिष्ट—19 का अनुबन्ध 1

उपर्युक्त मालवारों के अंत में नियंत्रित को जोड़ा जाएगा:—

1	2	3
143	प्रमोगशाला स्थान	98
144	(18) कैरेट तथा कम कम सोना सीट्टन, ट्यूबस, पाईप्स, विभिन्न प्राकारों में वायर 18 कैरेट की ओर कम और सोने के 18 कैरेट और कम के सोन्ट्डर्स	71.08
145	गोल्ड कार्फिल्ड सहित 18 कैरेट और कम के स्लिंग रिंग, बोल्ट, रिंस बैलेस, विलेस, पोस्ट्स स्टूल, कोनेक्शन फलेक्टस बुक्स ट्रीबोल्स, स्प्रिंगस, मीन छाता नियंत्रित बीडस, चैटनस, हीडिंग्स, मार्डिनस, सोकेट्स, फेन्स ब्लैकल (जैसे रिंग और एयर रिंग छैफ्स) डिफोर्म्स, सर्केल तथा सैकल तथा नमो रोने के 18 कैरेट एवं कम के सोन्ट्डर्स।	प्रद्याय 71

3. 315 परिशिष्ट 19
का अनुबन्ध 5

वर्तमान क्रम नं. 83 के अंत में नीचे दिए उपर्युक्त मालवारों के अन्तर्गत नियंत्रित को जोड़ा जाएगा:—

1	2	3	4	5	6
89	माधारण हस्तशिल्प या मर्मान नियंत्रित स्थर्ण मालवारों	स्लिंग रिंग, बोल्ट रिंग, कैनेक्स, किलेस, पोस्ट्स, पोस्ट्स, राफ्ट्स, क्लचेज कैनेक्स, बुक्स, स्विमलस, ट्रिंगल, रेक्स, विभिन्न प्राकारों में वायर, मर्मान नियंत्रित बीडस सहित सभी 18 कैरेट्स और कम एवं 18 कैरेट और कम के सोन्ट्डर्स।	1.0	1.02	1.02
90	जड़ित स्थर्ण आभूषण	स्लिंग रिंग, बोल्ट रिंग, कैनेक्स, किलेस, पोस्ट्स, स्लूस, क्लचेज, कैनेक्स, बुक्स, रिंगलस, स्लिंगल मर्मान नियंत्रित बीडस, चैटनस, सेटिंग्स, मार्डिनग्स, सोकेट्स, फेन्स, ब्लैकल (जैसे रिंग और एयर-रिंग बैलेस), सर्केल, सीट्टन, ट्यूबस, पाईप्स, सैकल विभिन्न मालवारों में वायर, परफोर्म्स, सभी 18 कैरेट और कम एवं 18 कैरेट एवं इसमें कार के सोन्ट्डर्स महिन गोल्ड प्राप्तियाँ (कार्फिल्ड)	1.0	1.03	1.03

4. 331 परिशिष्ट 22 का अनुबन्ध 3 पैरा 2

बर्तमान पैरे को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“इस स्कीम के अन्तर्गत किए गए निर्यातीं और सोने की प्रतिपूति के प्रयोजन के लिए जड़े हुए आमूषणों के मामले में 3% तक की सीमा तक विनियोग प्रक्रिया में सोने की हास और हस्तशिल्प और मशीन निर्मित सावे आभूषण के मामले में 2% के द्वारा सहित शुद्ध सोने के ३८५ में 15% और अनुबन्ध मूल्य छोड़ जाएगा। कार्डिङस और मार्टिंग आदि के मामले में, आवात और निर्मित वास्तविक पाराधार (पैट से नैट) पर अनुमित किया जाएगा और हास का नियांरिक निर्यातित प्रत्येक कार्डिङस और मार्टिंग आदि के स्वर्ण के भार के घनसार मनुष्मित किया जाएगा।

नियात किए जाने वाली मर्दों के जहाज पर्यावरण नियात आवेदन के संबंध में भूल संयोजन की गणना पैरा 5 में उल्लिखित प्रमाण-पत्र में निश्चिह्न मूल्य पर नियांरित आमूषणों में शुद्ध सोने की मत्रा के मूल्य को संबंध करने द्वारा की जाएगी। उदाहरणार्थ, यदि जहाज पर्यावरण निश्चिह्न मूल्य 100 रुपए है तो अनुबन्ध छोड़ सोने की मूल्य 87 रुपये से प्रधिक नहीं होगा। इसी प्रकार जड़ित मर्दों के मामले में शुद्ध सोने का कुल मूल्य जिसमें स्वर्ण हास सम्मिलित है और जिसमें सोने हीरे वा रत्न या भोती और इनमें साथ-साथ यदि कोई इनके संथ-साथ यदि कोई इनके विनियोग में प्रयुक्त प्राय बहुमूल्य आता है तो वहाँ 100 रुपए जहाज पर्यावरण निश्चिह्न मूल्य के मध्ये 87 रुपए से प्रधिक नहीं होगा।”

5. 332 परिशिष्ट 22 का अनुबन्ध 3 पैरा 17

इस पैरे का अंतिम वाक्य निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“कार्डिंग प्रावेदन कार्यालयों का संवादन करने के पश्चात् लिंग आवेदन जारी कर दे ताकि यदि प्रावेदन पद अन्यथा रूप से ठीक है, तो नियांतक यथा संवादत जड़ित आमूषणों के मामले में 3% तक और हस्तशिल्प या मशीन निर्मित सावे आमूषणों के मामले में 2% तक विनियोग प्रक्रिया में सोने के हास सहित निर्यातित मर्दों के शुद्ध सोने की मात्रा की प्रतिपूति प्राप्त कर सकें।”

6. 332 परिशिष्ट 22 का अनुबन्ध 3 पैरा 20

अन्तिम वाक्य निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“विनियोग प्रक्रिया में सोने के हास के लिए कूट जड़ित आमूषणों के मामले में 3% और हस्तशिल्प या मशीन निर्मित सावे आमूषणों के मामले में 2% की दर पर दी जाएगी।”

7. 334 परिशिष्ट 22 के लिए अनुबन्ध 4 पैरा 1

निम्नलिखित को इस पैरे के अन्त में जोड़ा जाएगा :—

(च) जड़ित आमूषणों के मामले में 3% की सीमा तक और हस्तशिल्प या मशीन निर्मित सावा आमूषणों के मामले में 2% तक का विनियोग प्रक्रिया में सोने का हास अनुमित होगा। कार्डिंग और मार्टिंग आदि के मामले में छोड़ने का नियांरित प्रत्येक निर्यातित कार्डिंग और मार्टिंग आदि के सोने के तत्वों के भार पर नियांरित किया जाएगा।

(छ) ऐसे समूह में जड़ित आमूषणों के मामले में 15% का और हस्तशिल्प या मशीन निर्मित सावा आमूषणों के मामले में 10% का अनुबन्ध मूल्य संयोजन आवश्यक होगा। इस प्रकार नियांरित किया गया मूल्य संयोजन उत्पादकता यथा व्यवस्थित सोने के हास के मूल्य संवेदन के कुल मूल्य और सोने के आमूषणों के विनियोग में प्रयुक्त देखी कारबे भास के कुल मूल्य पर नियांरित किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए, यूनिटों को स्वर्ण नियन्त्रण अधिनियम, 1968 के अधीन नियांरित प्रत्यक्ष में लेखा/विवरणी रखनी पड़ेगी।

(ज) मूल्य संयोजन दासरों में परिवर्तित किया जाएगा।

8. 335 परिशिष्ट 22 के लिए अनुबन्ध 4 पैरा 8

इस पैरे में मार्टिंग और “रत्न” शब्दों के बीच निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“कार्डिंगस”

9. 336 परिशिष्ट 22 के लिए अनुबन्ध 4 पैरा 10

बर्तमान पैरे के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“तथापि, स्वर्ण नियन्त्रण अधिनियम, 1968 के अंडे 32 के प्रावधान ऐसी यूनिटों के लिए लागू नहीं होगे। समूह के अन्तर मध्यस्थ उत्पादों जैसे नारे, राश, पाईप आदि में यूनिटों के बीच वास्तविक सेनेदेन स्वर्ण नियन्त्रण अधिनियम, 1968 के अधीन यथा नियांरित यूनिटों का उत्पादन की जर्ते के अधीन अनुमित किया जाएगा।”

1 2 3 4

10. 387 परिचय 22 के लिए अनुबन्ध 5 उपर्युक्त 1(ब) यह उपर्युक्त निम्नलिखित द्वारा प्रतिष्ठापित किया जाएगा:—

“(ब) जड़ित आमूल्यों के मामले में 3% की सीमा तक और हस्तांत्रिक या मरीन निमित्त मात्र आमूल्यों के लिए 2% का विनियोग प्रतिक्रिया में सोने का स्थायी अनुभित होता। कार्डिनल और भारदिल के मामले में छोड़ने का विनाशक प्रथेक नियमित कार्डिनल और मार्डिल की सोने के तत्व के भार पर लिप्तिर्थित किया जाएगा।

(क) ऐसी यूनिटों में जड़ित आमूल्यों के मामले में 15% और हस्तांत्रिक या मरीन निमित्त मात्र आमूल्यों के मामले में 10% का अनुत्तर मूल्य संयोजन आवश्यक होता। इस प्रकार निर्धारित किया गया मूल्य संयोजन उपर्युक्त यथा व्यवस्थित सोने के कार्डिनल के कुल मूल्य और सोने के आमूल्यों के विनियोग में प्रयुक्त वैसी झटके मात्र के कुल मूल्य पर निर्धारित किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए, यूनिटों को बोना नियमित अधिनियम, 1968 के प्रशीत निर्धारित प्रवद में अन्य/विवरणों सही पारेगा।

मूल्य संयोजन डालने में परिकालित किया जाएगा।”

11. 337 परिचय—23 के लिए अनुबन्ध—5. 1

इस परें भारतीय पंक्ति निम्नलिखित द्वारा प्रतिष्ठापित की जाएगी:—

“कार्डिनल, रस्ता तथा भणियाँ। स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 के लिए 32 के प्रावधान ऐसे शेष में लागू नहीं होंगी।”

राजीव शोक्त नियंत्रण मुद्रण नियंत्रक, आवात एवं नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 112—ITC(PN)/85—88

New Delhi, the 28th August, 1986.

Subject : Import & Export Policy for April, 1985—March, 1988.

F. No. 6/90/86—EPC:— Attention is invited to the Import & Export Policy, for April, 1985—March, 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1—ITC (PN)/85—88, dated the 12th April, 1985 & amended.

2. The following amendments shall be made in the policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No.	Page No. of Import & Export Policy, 1985—88 (Volume-I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	293	Para 32 Appendix 19	The following shall be added after this para:— “Export of Plain and studded Gold Jewellery under Advance Licensing Scheme.

33. The following exporters will be eligible for advance licences for export of Plain and studded Gold Jewellery:—

- (i) A registered exporter of gold jewellery with a minimum average annual export performance of Rs. 2 crores of gold jewellery during the preceding two financial years.

1	2	3	4
			(ii) A registered exporter of Gem and Jewellery (other than gold jewellery) with a minimum average annual export performance of Rs. five crores during the preceding three financial years. Those private/public limited companies which were earlier proprietorship/partnership companies but have become private/public limited companies on the date of application for the advance licence.
		34.	Import of gold findings, mountings, etc. and gold of 18 carats and below will be allowed for export of plain and studded gold jewellery provided a minimum value addition of 15% is achieved separately both on the total import of gold, mountings etc. including wastage allowed, and on the finished, cut and polished diamonds, stones, pearls as well as other precious metals if any, used in its manufacture. While the Export Obligation on import of gold etc. will be fixed by the Advance Licensing Committee a minimum value addition of 15% will also have to be achieved on the finished cut and polished diamonds, stones, pearls and other inputs used in the manufacture of the jewellery exported. The input/output norms applicable to export of gold jewellery under this scheme are given in Annexure V to Appendix 19.
		35.	The exporters would be entitled to replenishment on the value of finished cut and polished diamonds and other stones used in the manufacture of the jewellery at the rate prescribed in Appendix 17.
		36.	Import of items for export of plain/studded gold jewellery will be subject to the following further conditions:—
		(1)	Applications for such Advance licences will be considered only by the Advance Licensing Committee in the office of the CCI&E, New Delhi.
		(2)	Applications for advance licences against these exports will be against specific export orders only.
		(3)	Import and Export of "findings" and "mountings" etc. will be allowed on net to net basis and the wastage allowed in Annexure V to Appendix 19 will be determined on the weight of the findings and mountaings etc. exported.
		(4)	The Export Obligation against such licences will have to be fulfilled within a period of four months from the date of clearance of the first consignment of import or from 30 days after the date of import of the first consignment whichever is earlier. Normally no further extension of Export Obligation will be granted beyond this period. However in exceptional cases for extenuating circumstances the Advance Licensing Committee in the Office of the CCI&E, New Delhi may consider grant for extension in Export Obligation period on merit of each such cases.

1 2

3

4

(5) Export of these items can be allowed only against irrevocable letter of credit or against cash-on delivery basis. Redemption of Export Obligation will be consider after the fulfilment of the prescribed Export Obligation and after the proof of having realised the foreign exchange is given.

(6) Import allowed against such licences and export of goods made out of these items can be effected only through specified Ports as mentioned in Condition 'F' of Customs Notification appended to Annexure I.

(7) Provisions of Paras 15 & 16 of Annexure III to Appendix 22 will mutatis-mutandis be applicable in such cases.

(8) Exports of these items cannot be effected before imports. As such provisions of sub-para 24(4) and Para 26 will not be applicable. Other provisions of Appendix 19 will be applicable to these Advance licences also."

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.	305	Annexure—I to Appendix 19	The following shall be added at the end under the appropriate columns as under:—	

(1)	(2)	(3)
"143.	Laboratory Chemicals	98
144.	Gold of 18 carats and below sheets— tubes, pipes, wires in different shapes of 18 carats and below and solders of gold of 18 carats and below.	71.08
145.	Gold findings including spring rings, bolt ring, clasps, clips, posts, screws, clutches, collets, hooks, swivels, spr- ings, machine made beads, chatons settings, mountings, sockets, frames, blanks (such as ring and ear-ring blanks) preforms, circles and shanks all of gold of 18 carats and below and solders of 18 carats and below."	71

3.	315	Annexure V to Appendix 19	The following shall be added at the end of Sl. No. 88 under the appropriate columns as under:—
----	-----	------------------------------	--

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"89. Plain hand crafted or machine made gold jewellery.	Gold of 18 carats and below including spring rings, belt rings, clasps, clips, posts, screws, clutches, collets, hooks, swivels, springs, chatons, circles, sheets, tubes, pipes, shanks, wire in different shapes, machine- made beads, all of 18 carats and below and solders of 18 carats and below.		1.0	1.02	1.02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
90. Studded Gold Jewellery		Gold findings, including spring rings, bolt rings, clasps, clips, posts, screws, clutches, collets, hooks, swivels, springs, machine-made beads, chatons, settings, mountings, sockets, frames, blanks (such as ring and ear-ring blanks), circles, sheets, tubes, pipes, shanks, wire in different shapes, preforms, all of 18 carats and below and solders of 18 carats and below.	1.0	1.03	1.03"

1	2	3	4
4. 331	Annexure III to Appendix 22 Para 7	The existing para shall be substituted by the following:—	
		“The minimum value addition of 15% over the value of pure gold content including the loss of gold in the manufacturing process to the extent of 3% in case of studded jewellery and 2% in case of handcrafted and machine-made plain Jewellery will be insisted upon in respect of export made under this scheme and for the purpose of replenishment of gold. In case of findings and mountings, the Import & Export will be allowed on net to net basis and the wastage allowed will be determined on the weight of gold content of each findings and mountings etc. exported. The value addition will be calculated by relating the value of pure gold content in the Jewellery exported at the price indicated in the certificate referred to in para 5 in respect of relevant export order, to the f.o.b. price of items to be exported. For example, if the f.o.b. price is Rs. 100, the value of pure gold including wastage allowed shall not be more than Rs. 87. Similarly, in case of studded items, the total value of pure gold including loss of gold, stones or gems or pearls as well as other precious metals, if any, used in their manufacture, would be not more than Rs. 87 against the f.o.b. price of Rs. 100.”	
5. 332	Annexure III to Appendix 22 Para 17	The last sentence of this para shall be substituted by the following:—	
		“The Licensing Authority, after verifying the prescribed documents, issue a release order so as to enable the exporter to secure the replenishment of the pure gold content of the items exported including the loss of gold in the manufacturing process to the extent of 3% in case of studded jewellery and 2% in case of handcrafted or machine-made plain jewellery as above, if the application is otherwise in order.”	
6. 332	Annexure III to Appendix 22 Para 20	The last sentence shall be substituted by the following:—	
		“An allowance for the loss of gold in the manufacturing process will be made at the rate of 3% in case of studded jewellery and 2% in case of handcrafted or machine-made plain jewellery.”	

(1)	(2)	(3)	(4)
7. 335	Annexure IV to Appendix 22 Para 1		<p>The following shall be added at the end of this para :—</p> <p>(f) Loss of gold in the manufacturing process to the extent of 3% in case of studded jewellery and 2% in case of handcrafted or machine-made plain jewellery will be allowed. In case of findings and mountings etc. the wastage allowed will be determined on the weight of gold contained of each findings and mountings etc. exported.</p> <p>(g) A minimum value addition of 15% in case of studded jewellery and 10% in case of handcrafted or machine-made plain jewellery will be necessary in such a complex. The value addition so prescribed will be determined on the total value of inputs including value of loss of gold as provided above and indigenous raw-materials used in the manufacture of gold jewellery. For this purpose, the units will have to maintain accounts/returns in the forms prescribed under the Gold Control Act, 1968.</p> <p>(h) The value addition shall be computed in terms of dollars.”</p>
8. 335	Annexure IV to Appendix 22 Para 8		<p>In this para between the words “mountings” and “gems” the following shall be inserted :—</p> <p>“Findings”</p>
9. 336	Annexure IV to Appendix 22 Para 10		<p>The following shall be added at the end of the existing para :—</p> <p>“The provisions of Section 32 of the Gold Control Act, 1968 will, however, not be applicable to such units. Inter-units transactions in intermediate products like wires, rods, pipes, etc. within the complex will be permitted subject to accounts being maintained by the units as prescribed under the Gold Control Act, 1960.”</p>
10. 337	Annexure V to Appendix 22 Sub-para 1(e)		<p>The sub-para shall be substituted by the following :—</p> <p>(d) Loss of gold in the manufacturing process to the extent of 3% in case of studded jewellery and 2% for handcrafted or machine-made plain jewellery will be allowed. In case of findings and mountings, etc. the wastage allowed will be determined on the weight of the gold content of each findings and mountings exported.</p> <p>(e) A minimum value addition of 15% in case of studded jewellery and 10% in case of handcrafted or machine-made plain jewellery will be necessary in such a unit. The value addition to prescribed will be determined on the total value of inputs</p>

1 2

3

4

including value of loss of gold as provided above and indigenous raw-materials used in the manufacture of Gold Jewellery. For this purpose, the units will have to maintain accounts/returns in the forms prescribed under the Gold Control Act, 1968.

The value addition shall be computed in terms of dollars."

11. 337

Annexure V
to Appendix 22
Para 5.1

The eight line of this para shall be substituted by the following "findings, gems and stones. The provisions of Section 32 of the Gold Control Act, 1968 will not be applicable to such Zones".

R.L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports